भजन

तर्ज–हम तुमसे जुदा हो के

पिया प्राणनाथ मेरे,रहे साथ सदा मेरे

1–जब तुमने दिल में लिया, इक मेहर का दरिया
तब लाड अनोखा ये, अपनी रूहों को दिया
यूं लाड बहुतेरे

2–जो तन तेरे नूर से हैं, तेरी वाहेदत में रहते
जो अंग श्यामा जी के, तेरी खिलवत में रहते
कैसे वो जुदा होते

3–नासूती तन देकर, तिलसम में उतारे है
लेकिन हमसे पहले, खुद राज पधारे है
ब्रह्म ज्ञान अखंड ले के